तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 128/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 30 दिसंबर, 2019

(www.trai.gov.in)

31 अक्टूबर, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1183.40**	**21.45**	**1204.85**
अक्टूबर, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	9.66	-0.04	9.61
मासिक वृद्धि दर	0.82%	-0.20%	0.80%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**662.92**	**18.76**	**681.69**
अक्टूबर, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	3.74	0.00	3.74
मासिक वृद्धि दर	0.57%	-0.02%	0.55%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**520.48**	**2.68**	**523.16**
अक्टूबर, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.91	-0.04	5.87
मासिक वृद्धि दर	1.15%	-1.47%	1.14%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**89.55**	**1.62**	**91.17**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	156.83	4.44	161.27
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	57.91	0.30	58.21
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.02%	87.49%	56.58%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.98%	12.51%	43.42%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**625.00**	**19.08**	**644.08**

- अक्टूबर, 2019 के माह में 4.08 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से सितंबर, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 457.65 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 461.73 मिलियन हो गया।

- अक्टूबर, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 981.19 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- सितंबर, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,191.81 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 1,204.85 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.80 प्रतिशत दर्ज की गयी। सितंबर, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 677.95 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 681.69 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 517.29 मिलियन से बढ़कर 523.16 मिलियन हो गई। अक्टूबर, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.55 प्रतिशत तथा 1.14 प्रतिशत रही।

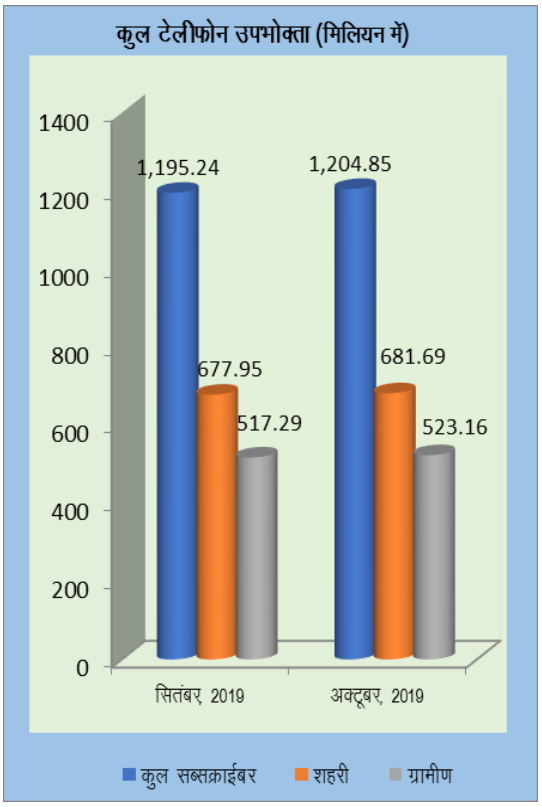

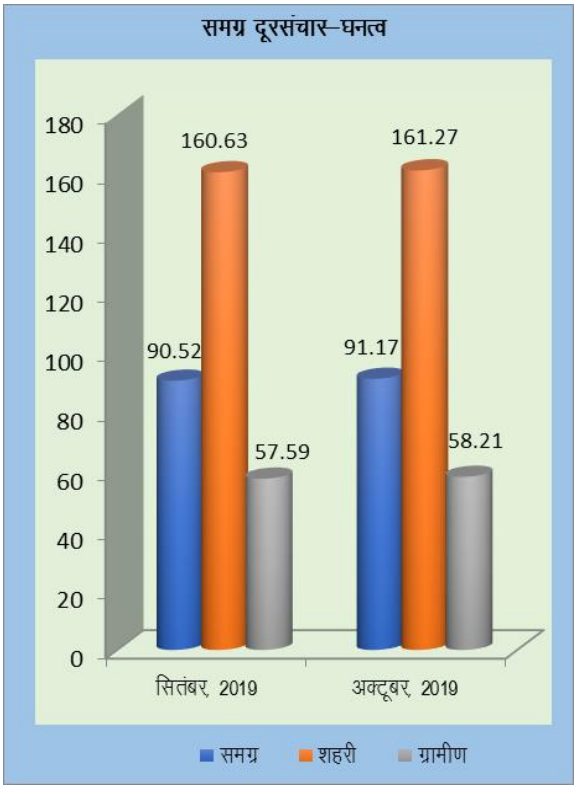

- सितंबर, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 90.52 से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 91.17 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व सितंबर, 2019 के अंत तक 160.63 से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 161.27 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी सितंबर, 2019 के अंत तक 57.59 से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 58.21 हो गया। अक्टूबर, 2019 के अंत तक शहरी और शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.58 प्रतिशत तथा 43.42 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

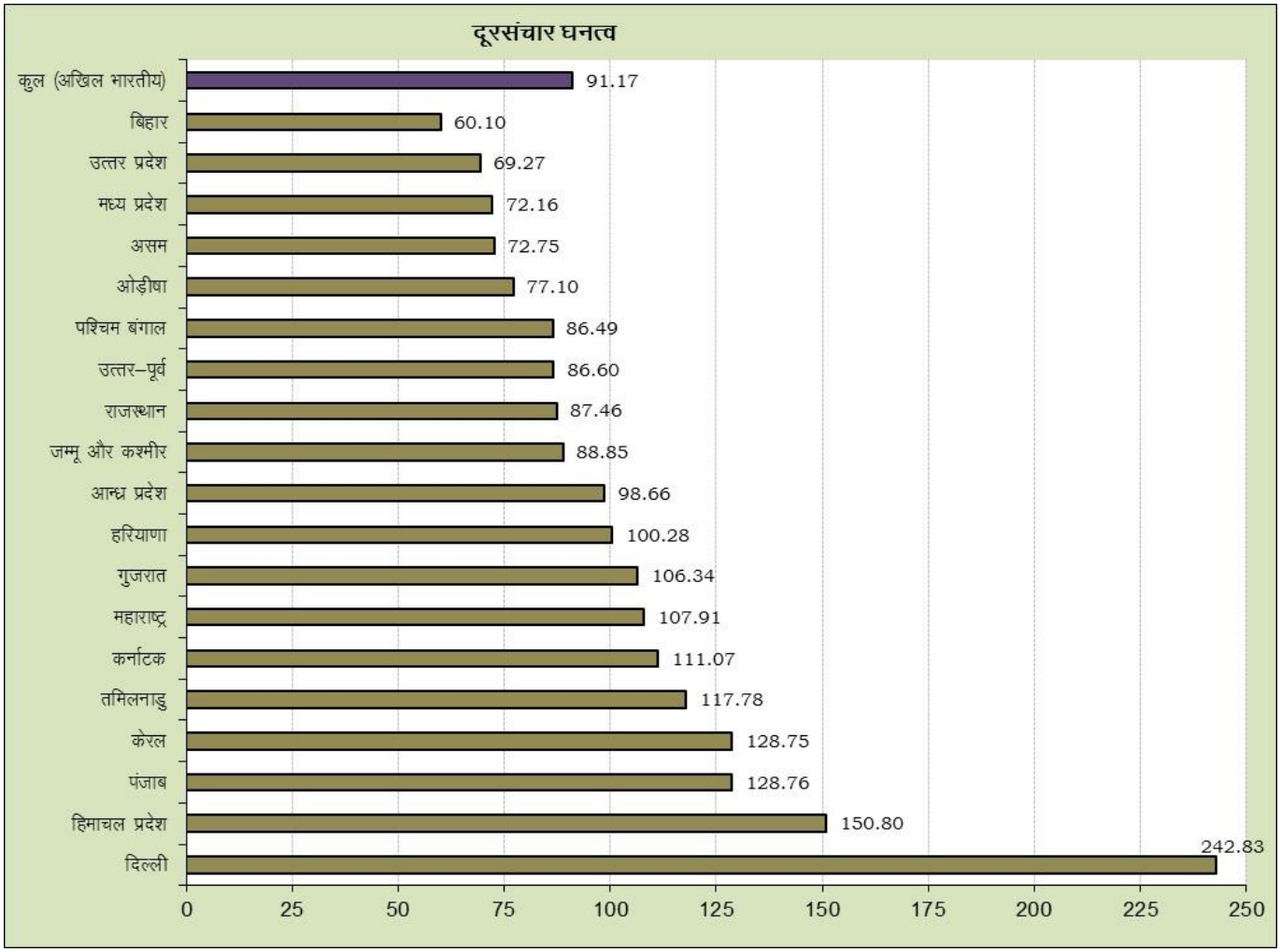

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि अक्टूबर, 2019 के अंत में नौ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 242.83 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 60.10 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

अक्टूबर, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अक्टूबर, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-14,747	1,734,810	8,295,789	403,611,123
श्रेणी – ख	-5,544	5,426,970	5,205,157	481,895,337
श्रेणी – ग	6,690	1,803,425	852,953	178,353,169
महानगर	-30,318	690,132	7,092,934	119,543,681
अखिल भारतीय	**-43,919**	**9,655,337**	**21,446,833**	**1,183,403,310**

अक्टूबर, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (सितंबर, 2019 से अक्टूबर, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्टूबर, 2018 से अक्टूबर, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.18	0.43	-4.36	0.36
श्रेणी – ख	-0.11	1.14	-5.55	1.03
श्रेणी – ग	0.79	1.02	-9.58	1.53
महानगर	-0.43	0.58	2.87	3.77
अखिल भारतीय	**-0.20**	**0.82**	**-2.62**	**1.14**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि अक्टूबर, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक तथा वार्षिक आधार पर निबल वृद्धि दर्ज की गई है। श्रेणी–ख के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक मासिक वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में अक्टूबर, 2019 माह के दौरान श्रेणी–ग के अलावा सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान महानगर श्रेणी के अलावा अन्य सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उनके वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- सितंबर, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,173.75 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 1,183.40 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.82 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2019 के अंत तक 659.18 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 662.92 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 514.56 मिलियन से बढ़कर 520.48 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.57 प्रतिशत तथा 1.15 प्रतिशत रही।

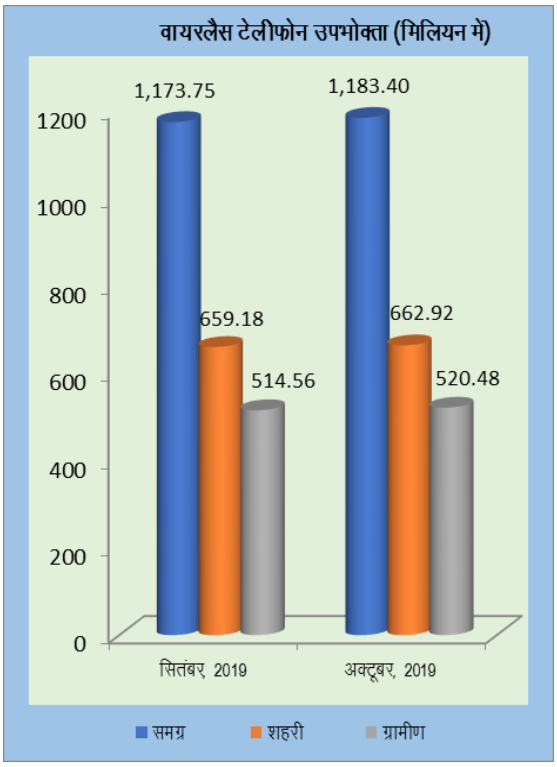

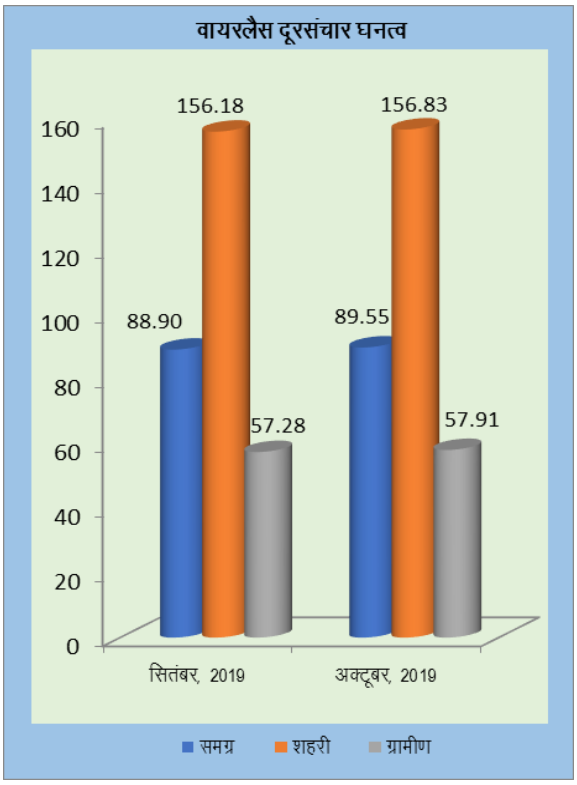

- सितंबर, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 88.90 से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 89.55 हो गया। शहरी क्षेत्रों में सितंबर, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 156.18 से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत में 156.83 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 57.28 से बढ़कर 57.91 हो गया। अक्टूबर, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.02 प्रतिशत तथा 43.98 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.80 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

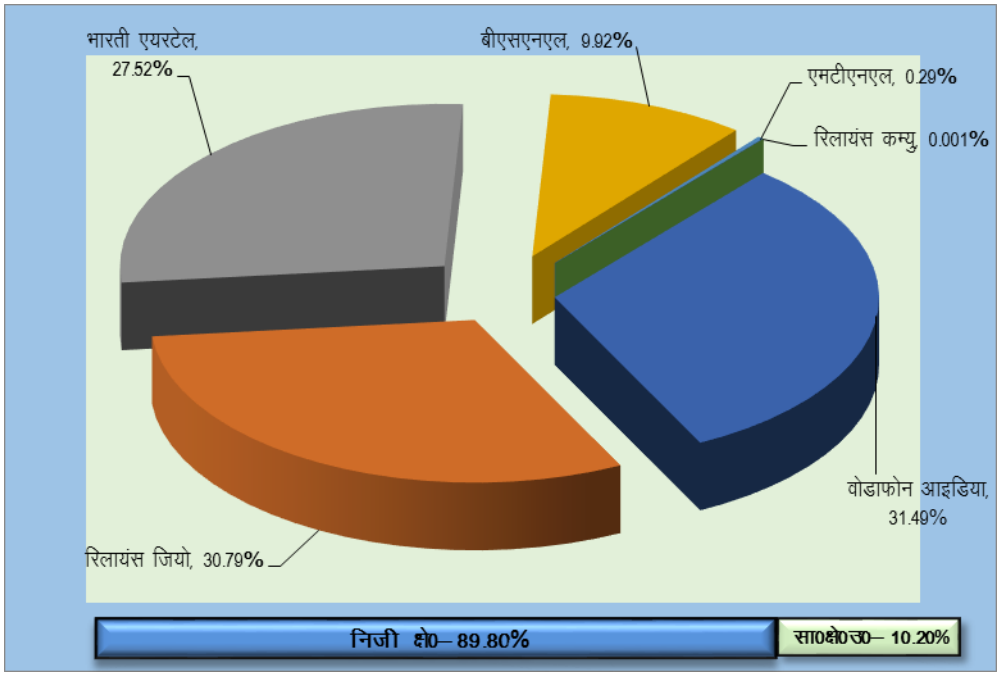

अक्टूबर, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

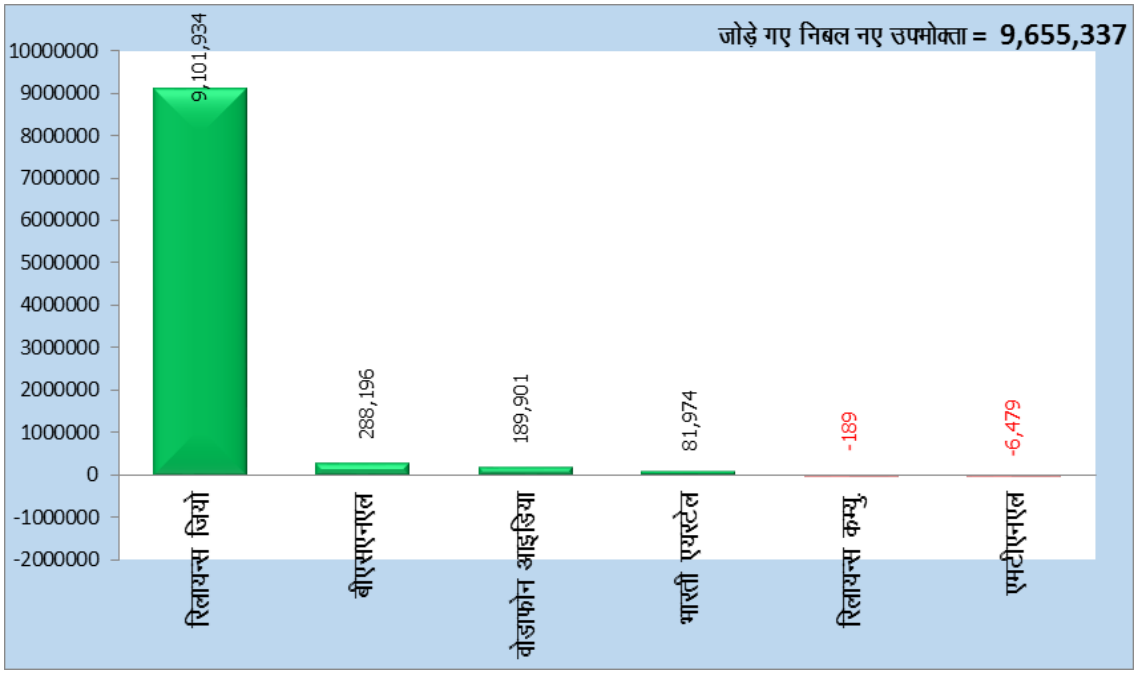

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- अक्टूबर, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,183.40 मिलियन) में से 981.19 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 82.91 प्रतिशत था।

- अक्टूबर, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

अक्टूबर, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

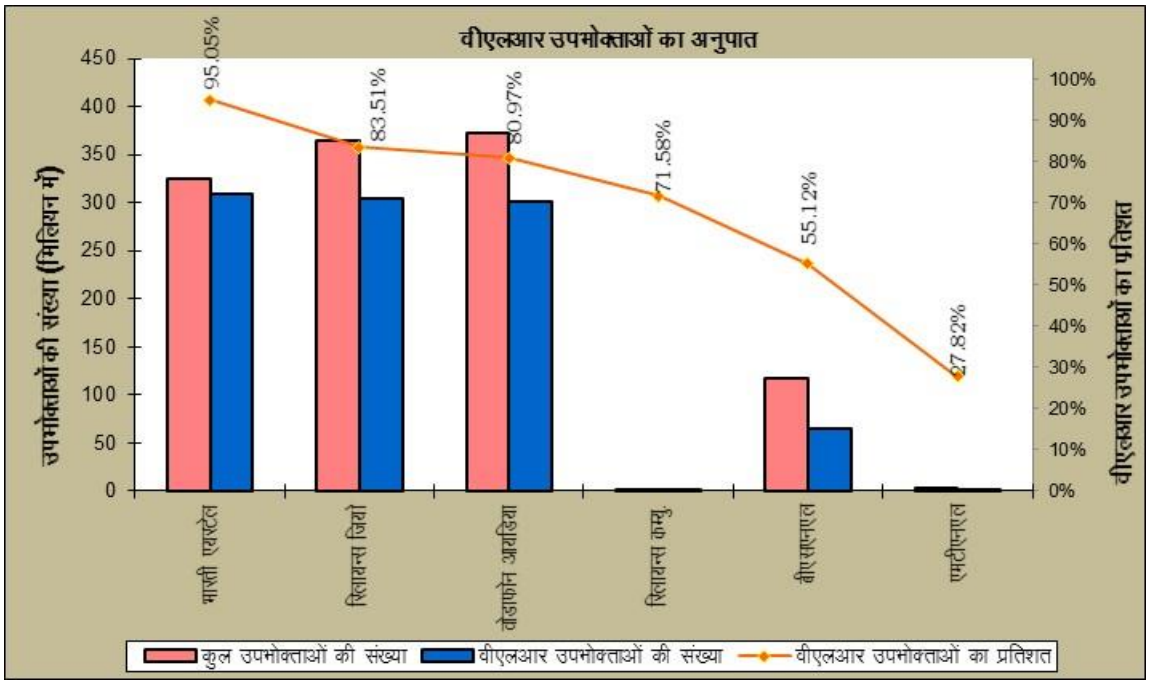

- अक्टूबर, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 95.05 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 27.82 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

अक्टूबर, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

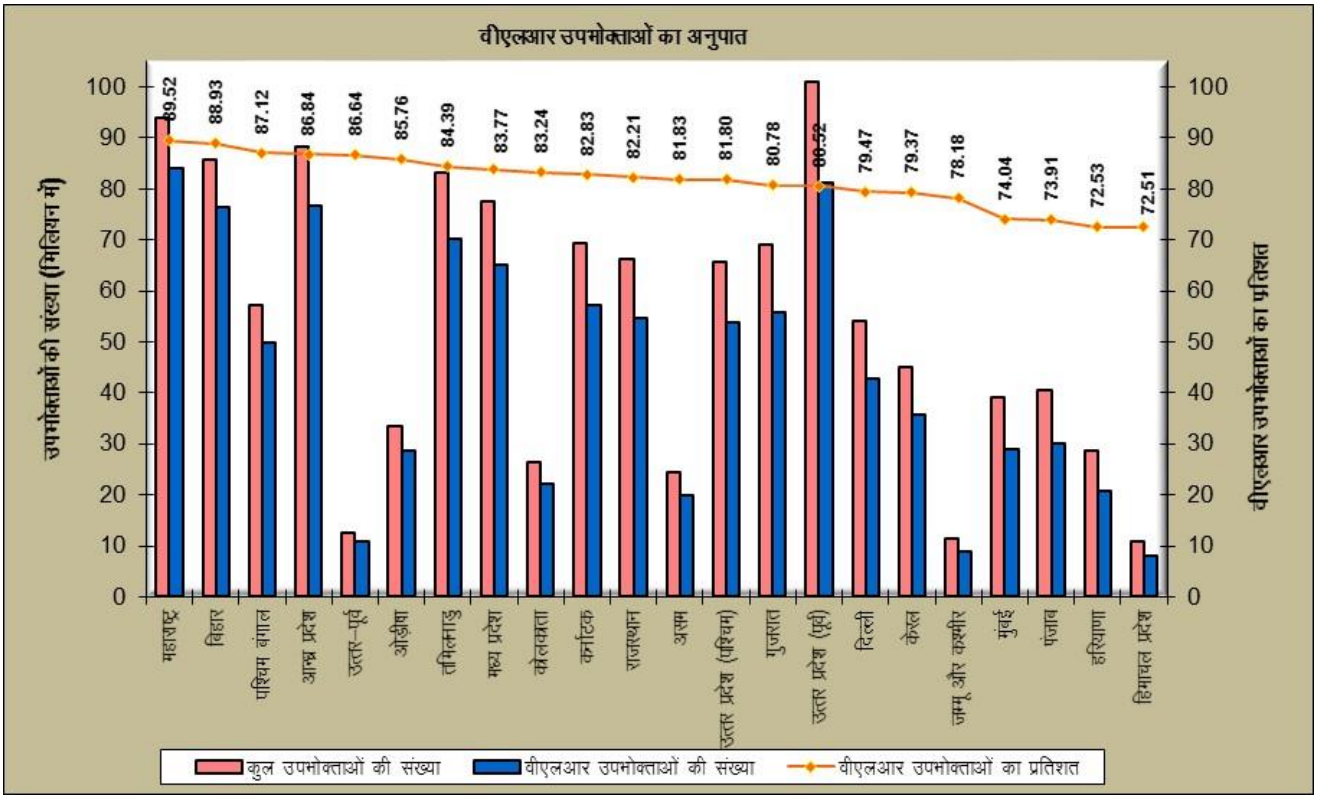

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

अक्टूबर, 2019 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

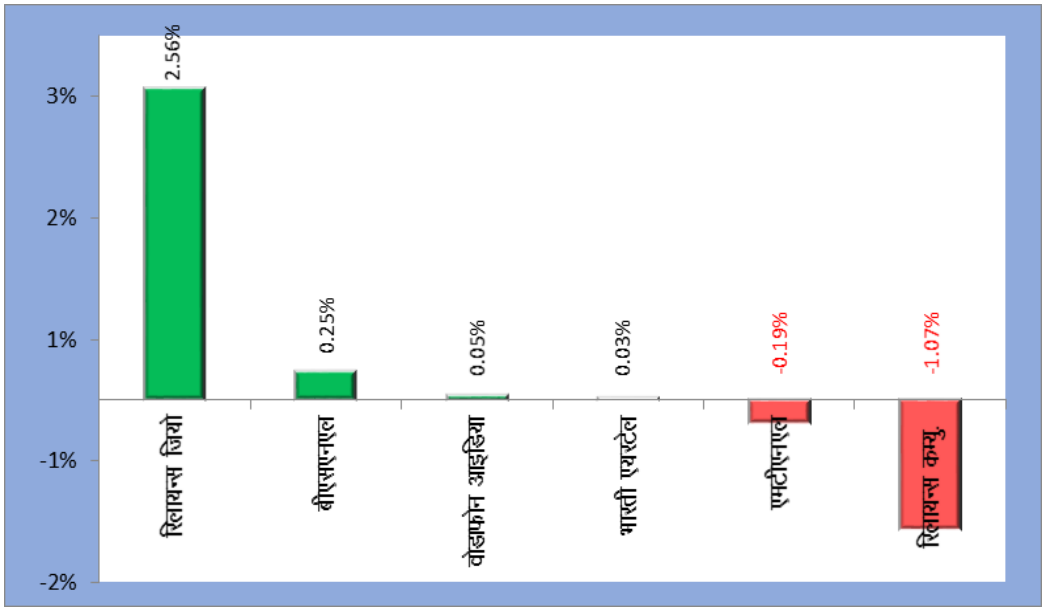

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

अक्टूबर, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

- अक्टूबर, 2019 माह के दौरान जम्मू एवं कश्मीर सेवा क्षेत्र के अलावा अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई। इस माह में मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में अधिकतम 2.86 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अक्टूबर, 2019 के माह में कुल 4.08 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 4.08 मिलियन अनुरोधों में से 2.00 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.08 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध सितंबर, 2019 के अंत तक 457.65 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 461.73 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 36.03 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 34.83 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 42.26 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 38.90 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019		सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019
दिल्ली	23.54	23.79	आन्ध्र प्रदेश	38.54	38.90
गुजरात	30.55	30.80	असम	3.54	3.56
हरियाणा	16.70	16.74	बिहार	18.53	18.81
हिमाचल प्रदेश	2.23	2.25	कर्नाटक	42.00	42.26
जम्मू और कश्मीर	1.12	1.13	केरल	11.33	11.53
महाराष्ट्र	34.34	34.83	कोलकाता	10.90	10.97
मुंबई	23.15	23.24	मध्य प्रदेश	30.21	30.54
पंजाब	17.77	17.89	उत्तर–पूर्व	1.38	1.39
राजस्थान	35.79	36.03	ओड़ीशा	9.16	9.24
उत्तर प्रदेश–पूर्व	25.36	25.68	तमिलनाडु	38.29	38.60
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	20.66	20.81	पश्चिम बंगाल	22.55	22.72
कुल	**231.21**	**233.21**	कुल	**226.44**	**228.53**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**457.65**	**461.73**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (अक्टूबर, 2019 माह में)					4.08 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2019 के अंत तक 21.49 मिलियन से घटकर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 21.45 मिलियन हो गया। इस माह में 0.20 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.04 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। अक्टूबर, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 87.49 प्रतिशत तथा 12.51 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व सितंबर, 2019 माह के अंत में 1.63 से घटकर अक्टूबर, 2019 माह के अंत में 1.62 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.44 तथा 0.30 रहा।

- अक्टूबर, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 61.41 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। अक्टूबर, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

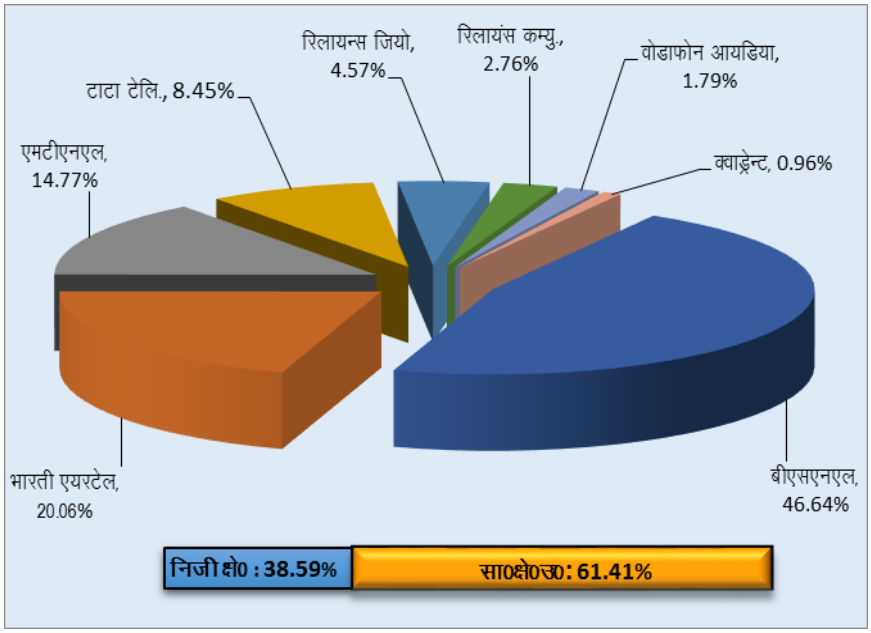

अक्टूबर 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

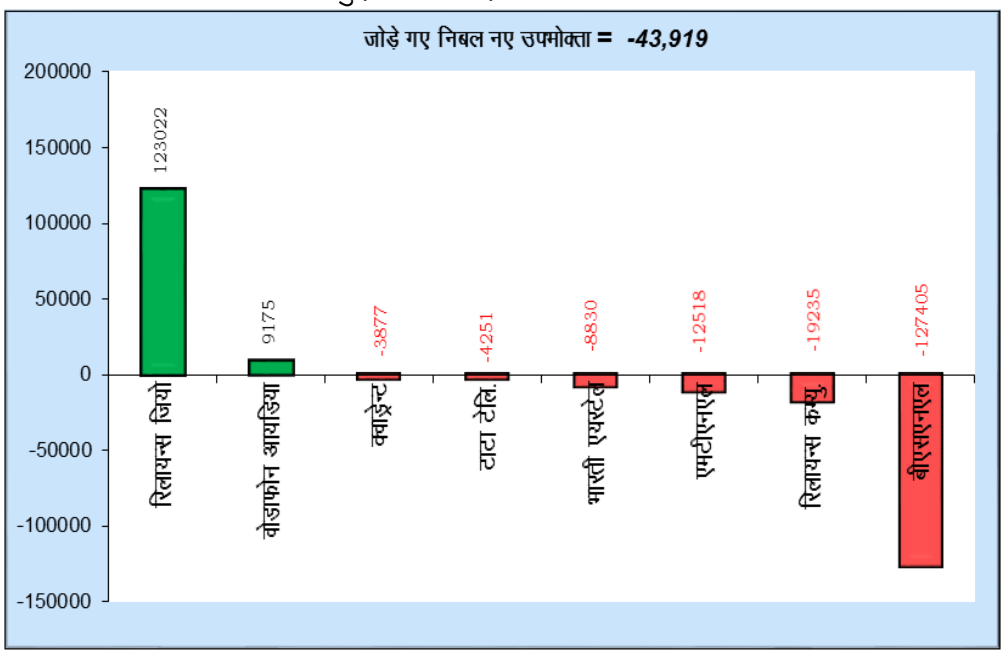

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- सितंबर माह में 336 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, सितंबर, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 625.42 मिलियन से बढ़कर अक्टूबर, 2019 के अंत में 644.08 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.98 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		अक्टूबर, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 30 सितंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.01	19.08	0.37%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	605.84	624.41	3.06%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.57	0.59	4.22%
कुल	**625.42**	**644.08**	**2.98%**

- अक्टूबर, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.98 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (365.12 मिलियन), भारती एयरटेल (132.86 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (115.80 मिलियन), बीएसएनएल (22.27 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.49 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31.10.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

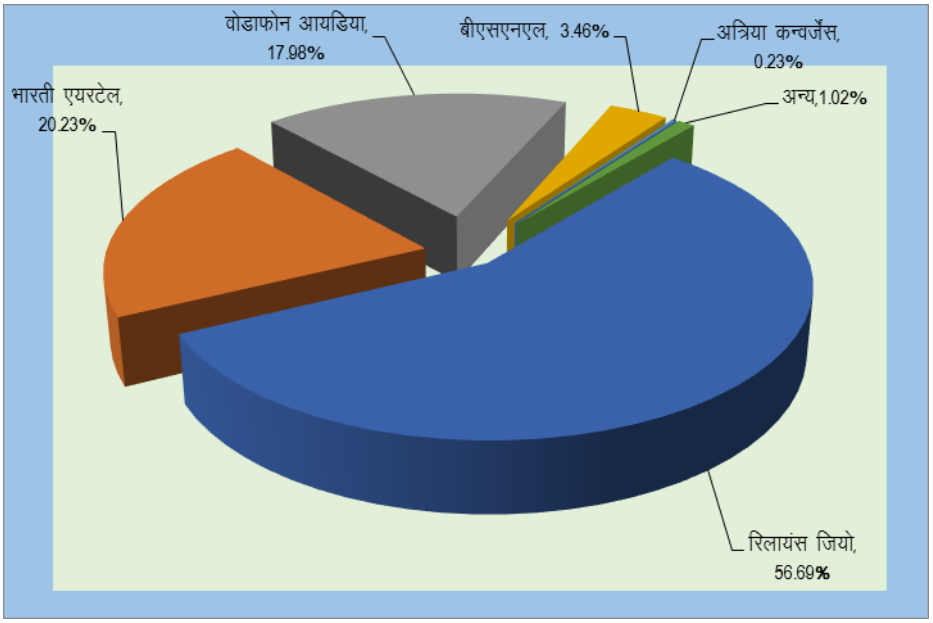

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (8.62 मिलियन), भारती एयरटेल (2.40 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.49 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.87 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.79 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (364.33 मिलियन), भारती एयरटेल (130.45 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (115.78 मिलियन), बीएसएनएल (13.64 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.20 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019
आन्ध्र प्रदेश	28582688	28545826	1996	2013	20785936	20648025	10001515	9974217					28222163	28981853	**87594298**	**88151934**
असम	8280541	8310285			5552003	5698641	2683040	2705457					7524695	7719510	**24040279**	**24433893**
बिहार	35817828	35711415	228	228	18001497	18111434	4972729	5035542					26444863	27002003	**85237145**	**85860622**
दिल्ली	15193043	15292490	1955	1779	19008494	19091543					2193766	2190398	17262657	17414580	**53659915**	**53990790**
गुजरात	10901828	10904762	584	582	29609720	29598515	6063321	6068524					22169402	22592688	**68744855**	**69165071**
हरियाणा	4345929	4395690	181	172	10140755	10210941	4991794	5007976					8777374	9072816	**28256033**	**28687595**
हिमाचल प्रदेश	3396705	3410759	72	72	1176326	1187943	2916101	2929237					3277717	3366959	**10766921**	**10894970**
जम्मू और कश्मीर	5401003	5232540			1066457	1078820	1227142	1263290					3642212	3717749	**11336814**	**11292399**
कर्नाटक	28348715	28361506	1366	1372	14024742	14115962	7318899	7319075					19412784	19419199	**69106506**	**69217114**
केरल	5468854	5519712	513	533	20080491	20123224	10922639	10922653					8415339	8530002	**44887836**	**45096124**
कोलकाता	6375036	6348947	33	33	8542813	8498065	1725876	1752817					9749967	9869438	**26393725**	**26469300**
मध्य प्रदेश	14873699	14819228	911	886	27381561	27552061	6376813	7169907					26789375	28033989	**75422359**	**77576071**
महाराष्ट्र	15457252	15490210	872	874	43258812	43065411	7114912	6325755					27855424	28998313	**93687272**	**93880563**
मुंबई	9587377	9628598	3362	3334	14695907	14708919					1199522	1196411	13313741	13546329	**38799909**	**39083591**
उत्तर–पूर्व	5204449	5208515			2299987	2352533	1470027	1458757					3321927	3414911	**12296390**	**12434716**
ओड़ीशा	11958328	11944911	339	339	4078824	3983604	5773415	5832597					11061289	11675118	**32872195**	**33436569**
पंजाब	10244140	10277540	297	292	11255026	11418748	5580919	5624285					12985842	13281121	**40066224**	**40601986**
राजस्थान	21228489	21184395	447	420	15543253	15541970	6089184	6096708					22804110	23513775	**65665483**	**66337268**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25308215	25418608	2849	2878	23230608	23114232	12207346	12181968	87287	87578			21907077	22391177	**82743382**	**83196441**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30408251	30489866	871	871	32748382	32664058	11594150	11615374					25590939	26091202	**100342593**	**100861371**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13172868	13249633	62	62	27740350	27683546	5882986	5882081					18307439	18808356	**65103705**	**65623678**
पश्चिम बंगाल	16012386	15904162	769	778	22264844	22228494	2059221	2093714					16386914	16884096	**56724134**	**57111244**
कुल	**325567624**	**325649598**	**17707**	**17518**	**372486788**	**372676689**	**116972029**	**117259934**	**87287**	**87578**	**3393288**	**3386809**	**355223250**	**364325184**	**1173747973**	**1183403310**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		81974		-189		189901		287905		291		-6479		9101934	0	9655337
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*138335967*	*141666588*	*0*	*0*	*193670199*	*193321464*	*39647015*	*37368209*	*0*	*0*	*45850*	*45779*	*142865666*	*148076996*	514564697	520479036

अनुलग्नक–**II**

अक्टूबर, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	101.98	65.57	83.62		64.48	81.53	**86.84**
असम	96.32	54.78	69.08		-	85.13	**81.83**
बिहार	93.88	55.66	72.87		39.04	99.37	**88.93**
दिल्ली	87.24		79.75	18.41	1.24	80.05	**79.47**
गुजरात	92.12	40.06	86.07		341.07	79.30	**80.78**
हरियाणा	102.48	44.19	79.25		103.49	66.11	**72.53**
हिमाचल प्रदेश	95.48	41.68	80.00		45.83	73.41	**72.51**
जम्मू और कश्मीर	87.85	79.18	40.72		-	75.08	**78.18**
कर्नाटक	96.03	51.28	79.33		0.00	77.98	**82.83**
केरल	94.58	66.70	86.31		33.21	69.39	**79.37**
कोलकाता	91.45	79.62	83.22		-	78.60	**83.24**
मध्य प्रदेश	94.28	47.61	78.66		58.47	92.48	**83.77**
महाराष्ट्र	98.38	55.25	90.32		42.45	91.08	**89.52**
मुंबई	78.97		71.18	45.06	98.29	76.19	**74.04**
उत्तर–पूर्व	97.88	72.72	67.58		-	88.57	**86.64**
ओड़ीशा	93.53	70.19	80.20		14.45	87.49	**85.76**
पंजाब	97.84	42.52	72.36		24.66	70.04	**73.91**
राजस्थान	95.56	46.26	82.83		35.24	79.09	**82.21**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	93.73	69.69	86.75		79.53	79.42	**84.39**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	97.70	38.47	73.15		39.49	88.40	**80.52**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	98.75	42.57	81.63		46.77	82.37	**81.80**
पश्चिम बंगाल	93.16	84.14	81.14		28.02	89.65	**87.12**
कुल	**95.05**	**55.12**	**80.97**	**27.82**	**71.58**	**83.51**	**82.91**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	सितंबर, 2019	अक्टूबर, 2019
आन्ध्र प्रदेश	825255	818180			213024	212705	36093	34897	174689	173281			45400	45835	82615	94057	**1377076**	**1378955**
असम	101798	101030											3330	3330	8164	9541	**113292**	**113901**
बिहार	159224	158276					2455	2382	8316	8347			1920	1920	11492	13300	**183407**	**184225**
दिल्ली			1449474	1442500	1503158	1493575	88482	84650	152806	152184			66535	67165	90098	77776	**3350553**	**3317850**
गुजरात	853515	847524			97626	97387	14983	14519	87974	87629			31386	31476	122230	133529	**1207714**	**1212064**
हरियाणा	192571	189959			22751	22362	2130	1970	38745	38792			270	270	4531	19081	**260998**	**272434**
हिमाचल प्रदेश	101583	100412					1684	1573	1902	1897			60	60	259	256	**105488**	**104198**
जम्मू और कश्मीर	113382	120911													4128	6140	**117510**	**127051**
कर्नाटक	947721	940274			716038	720736	110456	107469	274740	274799			53007	53567	46582	51317	**2148544**	**2148162**
केरल	1716430	1705177			62538	62819	13402	12798	19714	19761			4500	5250	9380	11027	**1825964**	**1816832**
कोलकाता	432700	427302			133472	132047	36288	35987	53862	53328			11470	11600	29775	31913	**697567**	**692177**
मध्य प्रदेश	629848	599419			242992	241111	6186	5699	15215	14964			1230	1770	39713	45804	**935184**	**908767**
महाराष्ट्र	969251	952275			104364	105354	42071	41041	266368	265370			25753	26503	31824	35171	**1439631**	**1425714**
मुंबई			1730772	1725228	383002	384665	159114	155253	549234	548975			67487	69707	185523	199079	**3075132**	**3082907**
उत्तर–पूर्व	97145	95509											240	240	3115	3712	**100500**	**99461**
ओड़ीषा	205227	201943					1944	1911	8221	8511			5430	5460	5244	6292	**226066**	**224117**
पंजाब	349295	342884			137774	137495	10515	10393	12214	12265	209109	205232	1860	3000	32417	36356	**753184**	**747625**
राजस्थान	397932	391762			58353	57595	16928	15438	11598	11622			12990	13560	33213	38063	**531014**	**528040**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1308841	1294695			547608	546741	60323	58510	125959	125506			23940	25210	70900	80232	**2137571**	**2130894**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	310533	306281			63977	63235	4474	3904	8333	8277			12440	12470	26238	30449	**425995**	**424616**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	238018	233204			24144	24164	2469	2368	4773	4885			5430	5460	14358	50251	**289192**	**320332**
पश्चिम बंगाल	179223	175070					1654	1654	2511	2530			120	120	5662	7137	**189170**	**186511**
कुल	**10129492**	**10002087**	**3180246**	**3167728**	**4310821**	**4301991**	**611651**	**592416**	**1817174**	**1812923**	**209109**	**205232**	**374798**	**383973**	**857461**	**980483**	**21490752**	**21446833**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-127405		-12518		-8830		-19235		-4251		-3877		9175		123022		-43919
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2630924	2591960	0	0	0	0	1247	1125	47243	47069	41297	40322	0	0	2056	2322	2722767	2682798

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————